

प्रेषक,

संतोष बड़ोनी,
अनुसन्धिव
उत्तरांचल शासन ।

सेवार्ने,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तरांचल देहरादून ।

पर्यटन अनुभाग:

विषय: स्पेशल कम्पोनेंट प्लान के अन्तर्गत पर्यटन विकास की योजनाओं हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-943/VI/2006, दिनांक 04 अक्टूबर, 2006 और शासनादेश संख्या-1038/VI/2006, दिनांक 16 अक्टूबर, 2006 तथा आपके पत्र संख्या-242/2-6-449/2006-07, दिनांक 21 अगस्त, 2006 एवं पत्र संख्या-1850/2-6-449, दिनांक 17 अगस्त, 2006 के सन्दर्भ में श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2006-07 में स्पेशल कम्पोनेंट प्लान के अन्तर्गत प्रस्तुत पर्यटन विकास की संलग्न 07 योजनाओं हेतु ₹0 126.09 लाख के आगणन के तापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरांत संस्तुत धनराशि ₹0 115.17 लाख (रुपये एक करोड़ पन्द्रह लाख सत्रह हजार मात्र) की लागत के आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में इतनी ही धनराशि को आपके निवर्तन में रखी गई धनराशि ₹0 270.00 लाख में से व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के हेतु पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में उल्लिखित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3-आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई है की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृत करा लें।

4-कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6-एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

7-कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सन्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

8-कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

9-आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

10-निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपर्युक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।

11-कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी तथा बाढ़ व नदी के बहाव आदि से सम्बन्धित सभी बिन्दुओं का परीक्षण निर्माण एजेंसी द्वारा निर्माण से पूर्व कर लिया जाएगा जिससे भविष्य में किसी प्रकार की समस्या न हो।

12-उक्त स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण उपयोग कर धनराशि की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र यथाशीघ्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा तदोपरान्त ही अवशेष अथवा दूसरी किस्त अवमुक्त की जायेगी।

24

शासनादेश संख्या- 060

/VI/2006-4(46)2006, दिनांक 01

जि.प.स.

अक्टूबर, 2006 का संलग्नक

क्र० स०	योजना का नाम	योजना की लागत	टी०ए०सी० द्वारा संस्तुत/स्वीकृत की जा रही धनराशि	(धनराशि लाख रु० में) निर्माण इकाई
	जनपद-पौड़ी			
1	विकासखण्ड कोट में आर्यनगर अनुसूचित जाति बस्ती के समीप ऐतिहासिक मंदिर शिवालय खोला को सौ०	8.38	7.55	ग्रामीण अभियंत्रण सेवा पौड़ी
	जनपद-बागेश्वर			
2	कोट भामरी मंदिर का सौ०	60.71	53.10	ग्रामीण अभियंत्रण सेवा बागेश्वर
	जनपद-टिहरी गढ़वाल			
3	ग्राम पंचायत नगर में प्राचीन कोटेश्वर मंदिर का सौ०	9.75	9.72	जिला पंचायत, टिहरी
4	ग्राम पंचायत नगर के अन्तर्गत कोटेश्वर में स्नानघाट का निर्माण	33.00	32.35	जिला पंचायत टिहरी
	जनपद-उत्तरकाशी			
5	अम्बेडकर पार्क जलपुर का सौ०	10.17	8.60	खण्ड विकास अधिकारी, दुण्डा, उत्तरकाशी
6	कण्डक देवता मंदिर धारकोट (बनचौरा) को सौ०	2.08	2.05	खण्ड विकास अधिकारी, चिनेवालीसौड, उत्तरकाशी
7	ग्राम सोनाली में मंदिर मार्ग का निर्माण	2.00	1.80	ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, पौड़ी
	कुल योग-	126.09	115.17	

(रुपये एक करोड़ पन्द्रह लाख सत्रह हजार मात्र)

27
(संतोष बडोनी)
अनुसंधिष।

6

13-कार्य प्रारम्भ के समय सम्बंधित निर्माण एजेंसी कार्यस्थल पर इस आशय का एक साईन बोर्ड स्थापित करेगा कि उक्त योजना/कार्य पर्यटन विभाग, उत्तरांचल के सौजन्य से किया जा रहा है, योजना प्रारम्भ करने का समय, इसकी लागत, पूर्ण करने का समय तथा कार्यदायी संस्था का विवरण भी अंकित किया जायेगा। सम्बन्धित जिला पर्यटक विकास अधिकारी उक्त कार्य का समय-समय पर भौतिक निरीक्षण कर कार्य की भौतिक प्रगति से प्रत्येक माह शासन को अवगत करावेगें एवं कार्य पूर्ण होने की सूचना व योजना का फोटोग्राफस अवश्य शासन को यथाशीघ्र उपलब्ध करायेगा।

14-उपरोक्त खण्ड वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-30 के लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-00-24-वृहद निर्माण कार्य मध्य के नामें डाला जायेगा।

15-कृपया उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय


(संतोष बड़ोनी)
अनुसचिव।

संख्या- 860 /VI/2006-4(48)2008 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1-महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3-आयुक्त कुमाऊँ/गढ़वाल मण्डल।
- 4-जिलाधिकारी पौड़ी, बागेश्वर, टिहरी, उत्तरकाशी।
- 5-निजी सचिव मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 6-निजी सचिव मा० पर्यटन मंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 7-निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 8-जिला पर्यटन विकास अधिकारी, पौड़ी, बागेश्वर, टिहरी, उत्तरकाशी।
- 9-वित्त अनुभाग-2।
- 10-श्री एल०एम०पन्त, अपर सचिव वित्त।
- 11-अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 12-एन०आई०सी० उत्तरांचल सचिवालय परिसर।
- 13-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(संतोष बड़ोनी)
अनुसचिव।